द मदर्स इंटरनैशनल स्कूल
अर्द्धवार्षिक-परीक्षा सत्र -2017-18
विषय – हिन्दी
कक्षा - दस

निर्धारित समय - 3 घण्टा

पूर्णांक – 80

निर्देश : 1. इस प्रश्न पत्रके चार खण्ड है – क, ख, ग,एवं घ।

2. प्रश्नों की कुल संख्या 16 है।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

4. प्रत्येक खण्ड के उत्तर खण्डवत दीजिए।

खण्ड – क

प्रश्न1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (9)

हँसी बाहरी और भीतरी आनंद का चिह्न है। हँसी–खुशी का नाम ही जीवन है। जो रोते हैं, उनका जीवन व्यर्थ है। कवि कहता है – ' ज़िंदगी ज़िंदादिली का नाम है , मुर्दादिल क्या खाक जिया करते हैं! ' एक विलायती विद्वान ने एक पुस्तक में लिखा है कि उत्तम अवसर की हँसी उदास से उदास मनुष्य के चित्त को प्रफुल्लित कर देती है। आनंद एक ऐसा प्रबल इंजन है कि उससे शोक और दुख की दीवारों को ढहा सकते हैं। प्राण रक्षा के लिए सर्वोत्तम उपाय चित्त को प्रसन्न रखना है। हँसी स्वास्थ्य का शुभ संवाद है। वह एक साथ शरीर और मन को प्रसन्न करती है। पाचन–शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती और अधिक पसीना लाती है।

हँसी संजीवनी बूटी का चूरन है। आज की तनाव भरी ज़िदगी में यह हर किसी को चाहिए। चिंता नरक के समान है, तो हँसता हुआ मनुष्य पृथ्वी पर स्वर्ग का सुख पाता है। हँसाने जैसा पुण्य दुनिया में और कुछ भी नहीं। आजकल बाज़ार ने लोगों को हँसाने में पूरी ताकत झोंक दी है। हास्य कविता , चुटकुले एवं सीरियल से लेकर फ़िल्मों तक, लोगों को हँसाने के लिए बाज़ार हर तरह का मसाला जुटा रहा है। हँसी की तलाश में जुटे लोग इसका खुले दिल से स्वागत कर रहे हैं। टी. वी. पर तो हँसी का खज़ाना ही मौजूद है। वहाँ हर मूड की हँसी है और हर जगह हँसने-हँसाने की तलाश जारी है।

(क) उपरोक्त गद्यांश के अनुसार किन लोगों का जीवन व्यर्थ है? (1)

(ख) चिंता को किसके समान कहा गया है? (1)

(ग) आज लोगों को हँसाने में बाज़ार का क्या योगदान है? (2)

(घ) हँसी को स्वास्थ्य का शुभ संवाद क्यों कहा गया है? (2)

(ड.) आज की तनाव भरी जिंदगी में सभी को क्या चाहिए? (1)

(च) हँसी का हमारी ज़िदगी में क्या महत्त्व है? (2)

प्रश्न6. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करें और समास का नाम भी बताएँ – (2)

(i) त्रिभुज , (ii) भाई – बहन

(ख) समस्त पद बनाएँ – (2)

(i) चन्द्रमा जैसे मुख वाली (ii) प्रयोग के लिए शाला

(ग) निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग करें कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए– (2)

(i) फूटी आँख न सुहाना (ii) बाएँ हाथ का खेल।

खण्ड – ग

प्रश्न7. पठित कविताओं के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें। (2 + 3)

(क) मीराबाई कृष्ण की चाकरी क्यों करना चाहती है ?

(ग) पावस ऋतु में प्रकृति में कौन कौन से परिवर्तन आते हैं?

प्रश्न8. कबीर की 'साखी' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि संसार में सुखी कौन और दुखी कौन है ? कबीर के अनुसार 'सोना' और 'जागना' किसके प्रतीक हैं? (5)

प्रश्न9. निम्न प्रश्नों के उत्तर 30 – 40 शब्दों में लिखिए – (2+2+1)

(क) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ सें हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

(ग) राजकपूर ने फिल्म की कहानी सुन कर क्या प्रतिक्रिया की ?

(क) बड़े भाई साहब को मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं?

प्रश्न10. कहानी 'तताँरा वामीरों' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि जब परम्पराएँ रुढ़ि बन जाती हैं तो उनका टूट जाना ही अच्छा है। (5)

प्रश्न11. 'हरिहर काका' कहानी के आधार पर बताइए कि क्या अपने बड़े बुजुर्गों की अवहेलना करना अच्छी बात है? यदि आपके घर में ऐसी स्थिति आती है तो आप उसे किस तरह सँभालेंगे? (5)

खण्ड – घ

प्रश्न12. दिए गए संकेत बिंदुओं की सहायता से निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80 – 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए– (5)

(क) मेरी दिनचर्या –

संकेत बिंदु – 1. प्रातः से सायं तक के किया–कलाप ,
2. अध्ययन एवं खेल – कूद ,
3. दैनिक जीवन में अनुशासन।

(ख) हमारे जीवन में खेलों का महत्व –

संकेत बिंदु – 1. खेलों की उपयोगिता-शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य ,
2. मनोरंजन ,
3. खेल हमारे लिए जरुरी।

प्रश्न2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** (6)

बेटी गई है बाहर काम पर
ओ हवाओं! उसे रास्ता देना
दूर तक फैली लकीर – सी वहशी सड़कों पर
तनिक अपनी कालिख समेटकर, उसे दुर्घटना से बचाना।
भीड़ – भाड़ बसों!
तनिक उस पर ममता वारना,

उसे इस या उस सा उसके वाहियात स्पर्शों
और जंगली छेड़छाड़ से बचाना।
बेटी गई है बाहर काम पर
दिशाओं! चुपके से उसके साथ हो लेना
और शाम ढले जब तक वह लौटकर आती नहीं घर
खुद को सचेतन और पारदर्शी बनाए रखना।

शहर के शोर! धुँए!
और भीड़ भरे कोलाहल!
थोड़ी देर को थम जाना
कि बेटी जो गई है बाहर काम पर
शाम को ठीक – ठाक उत्फुल्ल मन घर लौटे।

(क) सड़कों से कवि क्या चाहता है? (1)

(ख) कवि किसे थमने के लिए कहता है? (1)

(ग) कवि अपनी किस चिन्ता को इन काव्य पंक्तियों में प्रकट कर रहा है। (2)

(घ) आशय स्पष्ट करो – (2)
'कि बेटी जो गई है बाहर काम पर शाम को ठीक–ठाक उत्फुल्ल मन घर लौटे' ।

खण्ड – ख
व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न3. शब्द किसे कहते है? शब्द और पद में क्या अंतर है ? उदाहरण दे कर समझाओ। (2)

प्रश्न4. निर्देशानुसार कार्य करें – (3)

(i) श्याम के आने पर घर में रौनक आ जाती है। (वाक्य भेद बताइए)

(ii) जब तक मैं ना आऊँ , तब तक तुम पढ़ते रहना। (सरल वाक्य बनाएँ)

(iii) राधा पुस्तक पढ़ कर सोने चली गई। (संयुक्त वाक्य बनाएँ)

प्रश्न5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए – (4)

(क) परीक्षा शुरु होने में एकमात्र चार दिन बचे हैं।

(ख) वह चलता – चलता रुक गया।

(ग) देखिए, शोर मत करो।

(घ) विद्यालय बन्द होने का संभावना की जा रही है।

(ग) हिन्दी भाषा का महत्त्व –

संकेत बिंदु – 1. हमारे देश की भाषा ,

2. हिन्दी-सरल और सुबोध भाषा

3. हिन्दी का विश्व में स्थान,

4. हमें हिन्दी से प्यार होना चाहिए।

प्रश्न13. आपके क्षेत्र में बिजली की अत्यधिक कटौती की शिकायत करते हुए बिजली-अधिकारी को पत्र लिखें। **(5)**

प्रश्न14. आपका अपना एक खेल क्लब है। इच्छुक व्यक्ति उसकी सदस्यता पा सकते हैं , यह सूचित करते हुए सूचना – पट के लिए सूचना लेख तैयार कीजिए। **(5)**

प्रश्न15. नौकर और मालिक के मध्य वेतन-वृद्धि के लिए हुए संवाद को लगभग 100 शब्दों में लिखिए। **(5)**

प्रश्न16. सूती वस्त्रों पर छूट देने वाली कंपनी का विज्ञापन बनाइए जो पहचान – पत्र दिखाने पर विद्यार्थियों को 10% की छूट देगी। **(5)**

****